

उद्यो नाम प्रजायते M. 10, 9. मातापित्रोः प्रजायते पुत्राः साधारणाः MBh. 1, 4251. 4, 240. मक्षिष्येण करण्यो तु रथकारः प्रजायते Jāṇ. 1, 95. (तस्य) दश पुत्राः प्रजसिरे Bhāg. P. 3, 12, 21. अत्र प्रजातं जगतः शिवाय 1, 3, 21. राजकुलप्रजाता R. 5, 11, 21. ततः (फलात्) प्रजायति पुनश्च पादपाः Hariv. 11272. प्रजसे हृदि मन्मथः MBh. 1, 4869. लोभात्कामः प्रजायते Hit. I, 24. निर्घाताः — विवरोभ्यः प्रजसिरे Bhāg. P. 3, 17, 8. — 2) wiedergeboren werden: तैलपायो प्रजायते MBh. 13, 5509. — 3) sich fortpflanzen durch, in (instr.); zeugen, gebären; mit dem acc.: प्र जायेमहि प्रजाभिः RV. 2, 33, 1. प्र जायते वीर्यं प्रजाभिः 35, 8. 6, 70, 3. प्रजाया पशुभिः Çat. Br. 14, 9, 3, 6. इक्ष्वेत प्र जायधम् AV. 3, 14, 4. तावत्यो देवाभविष्यन् प्राजनिष्यन् Çat. Br. 4, 3, 1, 25. (प्रजापतिः) ऐतत् कथं नु प्रजायेय 2, 2, 4, 1. 14, 4, 2, 30. प्रजायमानो रेतसा 9, 3, 8. उपस्थं प्रजनिष्यमाणो ऽभिमुखं Çāṇkh. Gṛh. 1, 19. अग्निः स्वं रेतः प्रजनिष्यते zur Geburt werden lassen Çat. Br. 2, 2, 4, 17. मेनकाया प्रजनिवान् । गन्धर्वराजः MBh. 1, 943. अनृतौ व्रती व्रीचैव भार्यायां स प्रजायतु 13, 4573. न प्रजास्यथ पत्निषु R. 1, 38, 6. प्रजायस्व MBh. 1, 8343. 4660. श्रेयसा चेत्प्रजायते M. 10, 64. न प्रजास्यति चाप्येष मानुषेषु MBh. 1, 3958. सप्तवर्षाष्टवर्षाश्च प्रजास्यति नरास्तदा 3, 13058. तयाचै क्लाम्यंश्चार्च प्रजाकामस्तयेमां प्रजातिं प्रजसे Çat. Br. 1, 8, 1, 10. इमां प्रजातिं प्राजायेत् 2, 2, 4, 18. या प्रजायते Çāṇkh. Gṛh. 3, 10, 5, 7. सा — प्रजसे — कुमारम् MBh. 1, 1927. 2624. 2629. 3423. 6072. प्रजायते सुतान्नायः 3, 13639. कन्याम् — प्राजायत Benf. Chr. 50, 14. न प्रजास्यति MBh. 1, 4526. 3, 14765. नारी प्रजनिष्यमाणा der Zeit des Gebärens nahe Suçr. 1, 368, 7. प्रजाता die da geboren hat AK. 2, 6, 1, 6. H. 539. यमौ प्रजाता Çāṇkh. Çr. 3, 4, 14. Kāt. Çr. 25, 11, 17. MBh. 1, 3046. 3927. Hariv. 3371. Suçr. 1, 370, 17. दासीनामप्रजातानाम् MBh. 5, 3047. ऋतुप्रजाता die rechtzeitig entbunden ist, rechtzeitig gebärend AV. 1, 11, 1. — Vgl. अप्रजसि, ऋतुप्रजात, प्रज u. s. w. — caus. प्रजनयामकः P. 3, 1, 42. Jmd (acc.) sich fortpflanzen lassen durch (instr.); fortpflanzen, entstehen lassen: प्र नो जनय गोभिरश्वैः RV. 7, 41, 3. AV. 10, 7, 26. 15, 1, 2. Çat. Br. 3, 8, 4, 10. 4, 3, 2, 22. प्रजा प्रजनयावैः Åçv. Gṛh. 1, 7. zur Geburt werden lassen: यथा तदेवा रेतः प्राजनयन् Çat. Br. 1, 7, 4, 4. — desid. प्रजिनियमाण in's Leben treten wollend Çat. Br. 7, 4, 1, 14. — desid. vom caus. zur Zeugung —, zum Leben bringen wollen: यथान्यस्यां येनौ रेतः सिक्तं तदन्यस्यां प्रजिनयिषेत् wie wenn er den Samen, der in einen Schooss gegossen ist, in einem andern sich zur Frucht entwickeln lassen wollte Çat. Br. 12, 5, 1, 13. प्रजिनयिषित्वैव्य 7, 3, 1, 12.

— अनुप्र 1) nach Etwas geboren werden: संवत्सरं प्रजाः पशवो ऽनु प्रजायते TS. 1, 5, 1, 3. 3, 3, 3. 5, 4, 11, 2. Lāt. 3, 5, 5. यदे मेतो महेद्वाभ्वं नानुप्रजायते Çat. Br. 3, 2, 1, 27. — 2) fort und fort zeugen (?): प्रजामनुप्रजायते ष्मशानात्क्रियाकृतः Bhāg. P. 3, 32, 30. — caus. nach Etwas geboren werden lassen: इदं सर्वमनुप्रजनयति Çat. Br. 2, 3, 4, 8.

— अप्र part. अप्रजजाता die eine Fehlgeburt gemacht hat Suçr. 2, 398, 21. 401, 2. 413, 4.

— अभिप्र caus. für Etwas erzeugen: इममेवैतल्लोकमिमाः प्रजा अभिप्रजनयति Çat. Br. 1, 9, 2, 13. 3, 8, 5, 4.

— उपप्र hinzugeboren werden: यथा मनुष्या देवानुपप्रजनिष्यते Kāt. in Ind. St. 3, 463.

— संप्र 1) entstehen, zum Vorschein kommen, sich zeigen: उत्तरादुत्तरं

वाक्ये वदतां संप्रजायते PAṆĀT. I, 60. ईदृशा बह्वस्तत्र समुत्पाता भयावहाः — संप्रजसिरे R. 6, 90, 32. da seth: अत्यज्ञो ऽपि यदा सान्नी विवादे संप्रजायते । न तत्र पुज्यते दिव्यम् PAṆĀT. I, 452. — 2) wiedergeboren werden: सारिका संप्रजायते MBh. 13, 5459. 5508. — 3) संप्रजाता gekalbt habend: ऽतासु गोषु Gobh. 3, 6, 4, 5.

— प्रति wiedergeboren werden, von Neuem entstehen: प्रजापतिश्चरति गर्भे त्वमेव प्रतिजायसे PRAÇNOP. 2, 8. प्रतिजातकोप MBh. 6, 2651.

— वि 1) geboren werden, entstehen: नराशंसो भवति यद्विजायते RV. 3, 29, 11. 9, 108, 12. AV. 9, 3, 20. यूना ह सता प्रथमं वि जज्ञतुः RV. 9, 68, 5. मरुद्भिर्जज्ञे अन्तरं पदे गोः 3, 55, 1. अमृतम् 9, 74, 4. वरुणास्य भार्या या श्रेष्ठा शुक्रादेवो व्यजायत MBh. 1, 2616. अन्ध एव व्याजायत 2720. R. 1, 16, 20. साध्यायां वै व्यजायत Hariv. 11540. विजनिवान् । क्रुश्वो ऽतिमात्रः पुरुषः Hariv. 308. तस्य — मूर्ध्नि धूमो व्यजायत R. 1, 68, 8. विजात = जात geboren H. an. 3, 301. MBh. 12, 1042. दुःखान्मुमूर्षा मे व्यजायत 2, 1899. मानात्क्रोधो व्यजायत 3, 8494. — 2) sich verwandeln in, werden zu: सा कन्या तपसा तेन देवार्धेन व्यजायत । नदी च राजन्वत्सेषु कन्या चैवाभवत्तदा ॥ MBh. 5, 7368. विजात = विकृत H. an. 3, 301. — 3) zeugen, gebären, zur Welt bringen: पशुस्तिष्ठन्गर्भं धितानुपविश्य विजायते Çat. Br. 7, 4, 1, 2. यत्र विजायते यमिन्यर्पतुः AV. 3, 28, 1. पृच्छालायां विजायते 9, 3, 13. अजायमानो बहुधा वि जायते VS. 31, 19. (अश्वतर्यः) न विजायते pflanzen sich nicht fort Ait. Br. 4, 9. (श्रोत्रधयः) बह्वीर्वि जायते AV. 11, 4, 3. स्त्री Çat. Br. 1, 3, 3, 6. अजा त्रिः संवत्सरस्य विजायते 3, 3, 3, 8. 4, 5, 5, 6. काम्मा विजनिताः संभवेम TS. 2, 5, 4, 5. — तस्मात्पुत्रं व्यजायत R. 1, 70, 35. यतो पुत्रं व्यजायत 27, 8. 39, 17. 3, 20, 28. 32. MBh. 1, 2554. 2621. 3762. 3, 8843. Hariv. 11533. Bhāg. P. 9, 9, 39. समो समो विजायते P. 5, 2, 12. H. 1271. विजाता die geboren hat H. 539. an. 3, 301. — Vgl. अप्र-विजात, विजनन u. s. w.

— सम 1) mit Etwas (ausgestattet) geboren werden: सं दत्तैर्गण मनसा जायते कविः RV. 9, 68, 5. zugleich mit Etwas erscheinen: समुषाद्द्विजायथाः 1, 6, 8. अग्निर्पत्राभिमध्यते u. s. w. तत्र संजायते मनः ÇVETĀÇV. Up. 2, 6. — 2) geboren werden, entstehen, sich einstellen, zum Vorschein kommen, sich zeigen: ततः संजसिरे वीराः क्षिताविकृ नराधयाः MBh. 1, 2695. पुत्रशतं पूर्णं धृतराष्ट्रस्य — संजसे 4519. यावत्संजायते किञ्चित्सहं स्थावर्जङ्गमम् Bhāg. 13, 26. भरतात् — समजायत R. 1, 70, 27. 19. अदित्यां समजायत 31, 16. तव कुतौ — संजनिष्यति R. 1, 70, 34. अर्धसंजातशस्या (वसुधरा) halb emporgeschossen N. 24, 47. संजातशीतपिडका Suçr. 1, 113, 1. तस्य — स्वेदो वै समजायत MBh. 3, 16748. जगामस्तं ततः सूर्यः संध्या च समजायत R. 3, 16, 38. स्त्रीसकृन्नानादश संजसे राजवेश्मनि 2, 34, 19. अदिा चित्ते (so ist zu lesen) ततः काये सतां संजायते जरा PAṆĀT. I, 182. दुर्बलानो च रक्षणात् । बलं संजायते M. 8, 172. सङ्गात्संजायते कामः Bhāg. 2, 62. पुद्गमिलायः Hariv. 9861. मूर्क्षा MBh. 1, 5886. विस्मयः 7, 4066. कारुण्यम् R. 1, 2, 16. भीः PAṆĀT. I, 125. विरागः Bhāg. P. 3, 3, 22. यथा संजायते वर्णकृणादिव भूभुजाम् wie es sich zu ereignen pflegt RĀGA-TAR. 5, 180. तत्राकस्मात्खे वाणी संजाता PAṆĀT. 186, 17. तदस्य संजातम् ist entstanden, hat sich gezeigt P. 5, 2, 36. रातसेभ्यश्च संजातं भयमेषाम् R. 3, 1, 14. इदं ते चारु संजातं यौवनं व्यतिवर्तते 5, 22, 12. मे मरुती प्रीतिः संजाता PAṆĀT. 109, 25. प्रयेजने संजाते 96, 6. त्रयाणामपि मरणं संजातम् ereignete sich Vet. 33, 11. परस्परं कटाक्षनिरोक्षणां संजातम् 7, 3. 23, 18. तत्र गत्वा दक्षिणाधि-